बीपीसीसी 111

# कला स्नातक (ऑनर्स) मनोविज्ञान/ कला स्नातक (मनोविज्ञान) (बीएपीसीएच / बीएएफपीसी )

## कोर पाठ्यक्रम (CC)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य और ट्यूटोरियल

## जुलाई 2026 और जनवरी 2027 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड : बीपीसीसी 111
पाठ्यक्रम शीर्षक : मनोवैज्ञानिक विकारों को समझना

मनोविज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

# सत्रीय कार्य

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है कि इग्नू मनोविज्ञान के कोर पाठ्यक्रम में मूल्यांकन तीन भागों में है। इस पाठ्यक्रम में मूल्यांकन, इस प्रकार से है,: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत् मूल्यांकन, ii) ट्यूटोरियल और iii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 20 प्रतिशत, ट्यूटोरियल के लिए 10 प्रतिशत तथा सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित है।

**बीपीसीसी 111,** 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट थ्योरी + 2 क्रेडिट ट्यूटोरियल) कला स्नातक मनोविज्ञान ऑनर्स का पाठ्यक्रम है। आपको **बीपीसीसी 111** के 4 क्रेडिट के लिए निम्नलिखित अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे।

**बीपीसीसी 111** सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।

**भाग क** में सत्रीय कार्य I और II हैं।

**सत्रीय कार्य-I** में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ एवं जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

**सत्रीय कार्य-II** में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

**भाग ख** में टयूटोरियल है जिसमें आपको दिये गये निर्देशानुसार कार्य करके रिपोर्ट बनाना होगा।

**सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।** आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के

भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा, तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

| सत्र | सत्रीय कार्य जमा करने की तिथि | सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान |
|---|---|---|
| जुलाई 2026<br>एवं<br>जनवरी 2027 | 31 मार्च, 2027<br>एवं<br>30 सितम्बर, 2027 | पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करें। |

आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर जमा करने होंगे, जिससे आप सत्रांत परीक्षा दे सके।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिए। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। पूर्ण किये हुए सत्रीय कार्य आपको प्रदान किये गये अध्ययन केन्द्र के संयोजक को ही भेजने होते हैं।

**सत्रीय कार्य लिखने से पहले नीचे दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक अनुकरण करें:**

1. आपके लिए नीचे दिए गये तथ्यों पर ध्यान केन्द्रित करना उपयोगी साबित होगा।

   a) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

   b) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

      (i) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

      (ii) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

      (ii) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

c) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हो, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए A4 साइज पेपर का प्रयोग करें और सभी पेजों को ध्यानपूर्वक टैग करें। बायीं ओर 4 सेमी का हाशिया और दो उत्तरों के बीच कुछ जगह छोड़े। उपयुक्त जगहों पर छोड़े गये हाशिया में उपयुक्त टिप्पणी करने के लिए शैक्षणिक परामर्शदाता (academic counselor) को सुविधा होगी।

3. ***उत्तर आपकी स्वयं की लिखावट में होनी चाहिए।*** अपने उत्तरों को टाइप या प्रिंट न करें। विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गये अध्ययन सामग्री से अपने उत्तर की नकल न करें। अगर आप अध्ययन सामग्री से नकल करते हैं तो आपको शून्य अंक मिलेंगे।

4. आपको सत्रीय कार्य की एक प्रति पूर्ण किए सत्रीय कार्य के साथ इसे जमा करने से पहले संलग्न करनी होगी।

5. अगर आपने अध्ययन केन्द्र परिवर्तित के लिए निवेदन किया हुआ है, तो आपको सत्रीय कार्य, मूल अध्ययन केन्द्र में ही जमा करना चाहिए जब तक कि आपको विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्र के बदलने की सूचना ना मिल जाये।

6. अगर आपको अपने सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के पश्चात् कोई वास्तविक त्रुटि मिलती है जैसे सत्रीय कार्य का कोई हिस्सा का मूल्यांकन नहीं हुआ हो या कुल अंक जो संत्रीय कार्य पर गलत अंकित है, आदि। ऐसी त्रुटियों के सुधार के लिए और मुख्यालय में सही अंको को भेजने के लिए, अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक से संपर्क करें।

शुभकामनाओं के साथ,

**मनोविज्ञाान संकाय**

**सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,**

**इग्नू, नई दिल्ली**

# बीपीसीसी 111 : मनोवैज्ञानिक विकारों को समझना
## अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोडः BPCC 111**
**सत्रीय कार्य कोड : बीपीसीसी 111 /एएसएसटी/TMA/जुलाई, 2026 - जनवरी, 2027**
**अधिकतम अंकः 100**

**नोटः** 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2) सत्रीय कार्य अधिकतम 70 अंक का है। ट्यूटोरियल अधिकतम 30 अंक का है।
3) सत्रीय कार्य एवं ट्यूटोरियल अलग से जमा किए जाएंगे।

भाग क

## सत्रीय कार्य - I

**निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत है।** **2x20=40**

१. मनोवैज्ञानिक विकारों के वर्गीकरण की चर्चा कीजिये!

२.मनोविकृति विज्ञानं में मनोगतिक उपागम की चर्चा कीजिए!

## सत्रीय कार्य - II

**निम्नलिखित *संक्षिप्त* श्रेणी के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक नियत हैं।** **6x5=30**

३. नैदानिक आकलन के प्रकारों की व्याख्या कीजिए !

४. बाल्यावस्था अवसाद के नैदानिक परिदृश्य का वर्णन कीजिए!

५. मनोग्रसित बाध्यता विकार की व्याख्या कीजिए!

६. भोजन विकारों के उपचार का वर्णन कीजिए!

७. अवधान न्यूनता अतिक्रिया विकार के लिए डीएसएम–५ मानदंड की व्यख्या कीजिए !

८. तनाव और अभिघात की उत्पत्ति का वर्णन कीजिए!

## भाग ख
## ट्यूटोरियल
## (ट्यूटोरियल अध्ययन केन्द्र पर अलग से जमा किया जाएगा)

**पाठ्यक्रम कोडः BPCC 111**
**ट्यूटोरियल कोड : ट्यूटोरियल/जुलाई, 2026 - जनवरी, 2027**
**अधिकतम अंकः 30**

1. विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों में अवधान न्यूनता अतिक्रिया विकार (।क्भ्क्) के लक्षणों की व्यापकता तथा इसके प्रति उनकी समझ का आकलन करने हेतु एक सर्वेक्षण आयोजित करें।

2. कम से कम दस प्रश्नों वाली एक प्रश्नावली तैयार करें।

3. प्राप्त उत्तरों का विश्लेषण करें तथा अवधान न्यूनता अतिक्रिया विकार (।क्भ्क्) के लक्षणों की व्यापकता और जागरूकता के स्तरों को विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत करें।

4. अवधान न्यूनता अतिक्रिया विकार (।क्भ्क्) से संबंधित ऐसी भ्रांतियों या ज्ञान की कमियों की पहचान करें जिनका उल्लेख उपलब्ध अध्ययन सामग्री में नहीं किया गया है।

विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों में अवधान न्यूनता अतिक्रिया विकार (।क्भ्क्) के लक्षणों की व्यापकता तथा इसके प्रति उनकी समझ के संबंध में प्रभावी रूप से जानकारी एकत्र करने के लिए अध्ययन सामग्री के संदर्भ में एक प्रश्नावली तैयार की जानी चाहिए।

**प्रश्नावली के प्रारूप में निम्नलिखित शामिल होने चाहिए :**

- विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों में अवधान न्यूनता अतिक्रिया विकार के लक्षणों की व्यापकता तथा जागरूकता से संबंधित कम से कम दस प्रश्न।
- नमूने से संबंधित व्यक्तिगत विवरण, जैसेरू नाम (वैकल्पिक), आयु, लिंग, कक्षा तथा परिवार का प्रकार।
- खुले प्रकार के प्रश्न भी शामिल किए जा सकते हैं।

प्रश्नावली तैयार करने के पश्चात विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों को लक्षित करते हुए सर्वेक्षण करें। सटीक विश्लेषण के लिए विविध एवं प्रतिनिधित्वपूर्ण नमूना सुनिश्चित करें।

**नमूना :'** न्यूनतम 20 विद्यालय जाने वाले विद्यार्थी।

**आँकड़ों का विश्लेषण :**

प्रतिभागियों से प्राप्त उत्तरों का संग्रह और विश्लेषण करके विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों में अवधान न्यूनता अतिक्रिया विकार (ADHD) से संबंधित लक्षणों की व्यापकता का निर्धारण करें। यूनिट 6 में वर्णित अवधान न्यूनता अतिक्रिया

विकार (ADHD) की अवधारणाओं के आधार पर निष्कर्षों को लक्षणों की व्यापकता तथा जागरूकता के निम्न, मध्यम और उच्च स्तरों में वर्गीकृत करें। यदि अध्ययन के दौरान ऐसी नई भ्रांतियाँ या ज्ञान की कमियाँ सामने आती हैं जो मौजूदा श्रेणियों में सम्मिलित नहीं हैं, तो उनके लिए नई श्रेणियाँ विकसित करें। अंततः, एक रिपोर्ट तैयार करें जिसमें प्रमुख निष्कर्षों का सार प्रस्तुत किया जाए, सबसे सामान्य भ्रांतियों को रेखांकित किया जाए तथा विद्यार्थियों में अवधान न्यूनता अतिक्रिया विकार (ADHD) और अन्य मनोवैज्ञानिक विकारों के प्रति बेहतर समझ विकसित करने हेतु उपयुक्त सुधारात्मक उपायों एवं अतिरिक्त शैक्षिक संसाधनों का सुझाव दिया जाए।

**टयूटोरियल रिपोर्ट का प्रारुप :**

1) शीर्षक पृष्ठ (बीपीसीसी 111 की टयूटोरियल गतिविधि लिखें, अपना नाम, क्षेत्रिय केंद्र और नामांकन संख्या का उल्लेख करें)

2) पृष्ठभूमि/विषय का परिचय (लगभग 200 शब्द)

3) कार्यप्रणाली (लगभग 150 शब्द)

   (a) नमूना विवरण (b) प्रश्नावली की तैयारी (c) डेटा संग्रह प्रक्रिया

4) निष्कर्ष (लगभग 250 शब्द)

5) चर्चा और निष्कर्ष (लगभग 300 शब्द)

6) निहितार्थ (लगभग 100 शब्द)

7) परिशिष्ट

   (a) प्रश्नावली

   (b) पूर्ण किया गया प्रश्नावली

   (c) संदर्भ स्रोत

* टयूटोरियल गतिविधि रिपोर्ट आप के द्वारा केवल हाथ से ही लिखी जाएगी। टयूटोरियल रिपोर्ट लगभग 1000 शब्दों में लिखा जाएगा। डेटा के निष्कर्षों और चर्चा पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। निष्कर्षों के निहितार्थों पर भी आलोकपात करने की आवश्यकता है।

टयूटोरियल रिपोर्ट को बीपीसीसी 111 की असाइनमेंट फाइल में अंत में रखा जाएगा और अध्ययन केंद्र में जमा किया जाएगा।